सवाल जवाब

एआई अपनाने में भारतीय दूरसंचार फर्में आगे

एरिक्सन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मुख्य टेक्नॉलजी ऑफिसर एरिक एकुडेन का कहना है कि दूरसंचार नेटवर्क में एआई को अपनाने में भारत सबसे आगे है और बाकी दुनिया के मुकाबले यहां के ऑपरेटर मजबूत स्थिति में हैं। नई दिल्ली में बिजनेस स्टैंडर्ड की गुलवीन औलख के साथ साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि 5जी नेटवर्क में लगातार निवेश कर रहा भारत उन नेटवर्क पर और अधिक नवाचार को आकर्षित कर सकता है जिससे उसे फायदा होगा। उनसे बातचीत के अंशः

भारतीय दूरसंचार कंपनियों की तुलना वैश्विक टेलीकॉम कंपनियों से करें तो एआई को अपनाने और तैयारियों की स्थिति कैसी है?

भारत 5जी में सबसे आगे है। 5जी पहले से ही भारत के सभी जिलों में लगभग 99.6 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो बहुत महत्त्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि 5जी बतौर डिजिटल प्लेटफॉर्म (भारत के लिए एक रेशे की तरह) अच्छी तरह से स्थापित है। इसका मतलब है कि भारत अब एआई को व्यापक रूप से अपनाने के लिए अगला कदम उठाने को तैयार है। एआई केवल डेटा सेंटर में ही नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं, व्यवसायों, सरकारों और अन्य के लिए भी उपयोगी हो रहा है। उस दृष्टिकोण से भारत एक अच्छी जगह है। अब नेटवर्क में एआई अपनाने पर हमारे ग्राहक यहां- जियो, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया- नेटवर्क में एआई के कुछ फायदों का पहले से ही मजा ले रहे हैं क्योंकि इसे हमने अपने उत्पादों में लागू किया है।

भारतीय दूरसंचार कंपनियों के बीच 5जी एडवांस्ड अपनाए जाने को कैसे देखते हैं?

जब हम 5जी एडवांस्ड के बारे में बात करते हैं, तो हम नेटवर्क स्लाइसिंग और खास, अलग सेवा देने की दक्षता जैसी क्षमताओं के बारे में बात करते हैं। उदाहरण के लिए वित्तीय संस्थान, स्वास्थ्य सेवा प्रदाता, कृषि उद्यम और निर्माण इकाइयों को खास प्रदर्शन की जरूरत हो सकती है। आज के अत्याधुनिक विनिर्माण माहौल में आपको नए 5जी आर्किटेक्चर की जरूरत होती है, जो नेटवर्क स्लाइसिंग और प्रोग्रामेबल नेटवर्क एपीआई के साथ जुड़ा हो। ये ऑपरेटर को सेवा की गुणवत्ता को अनुकूल बनाने, सटीक इनडोर पोजिशनिंग जैसी क्षमताओं में मदद करने और सिक्योरिटी और फ्रॉड मैनेजमेंट जैसे एरिया को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

एआई से चलने वाला ट्रैफिक आने वाले वर्षों में दूरसंचार नेटवर्क में किस तरह से बदलाव लाएगा। इस बारे में आपका क्या नजरिया है? आपके हिसाब से यह बदलाव नेटवर्क आर्किटेक्चर और परिचालन को किस हद तक बदल देगा?

हमारा अनुमान है कि एआई-केंद्रित यूज केस ट्रैफिक पैटर्न में बड़ा बदलाव लाएंगे। खासकर अपलिंक ट्रैफिक - रोबोट, स्मार्टफोन, एआई ग्लास या सेंसर जैसे डिवाइस से नेटवर्क पर भेजे गए डेटा-के डाउनलिंक ट्रैफिक की तुलना में तेजी से बढ़ने की संभावना है। हमारा अनुमान है कि अगले पांच साल में दुनिया भर में अपलिंक ट्रैफिक औसतन लगभग तीन गुना बढ़ सकता है, जबकि डाउनलिंक ट्रैफिक में लगभग दो गुना वृद्धि हो सकती है। इस बदलाव का मतलब है कि नेटवर्क को ज्यादा मजबूत अपलिंक क्षमता के साथ डिजाइन किया जाना चाहिए। ऑपरेटरों को न सिर्फ डाउनलिंक क्षमता के लिए बल्कि अपलिंक प्रदर्शन के लिए भी अनुकूल टेक्नॉलजी की जरूरत होगी। एरिक्सन में हमने खास तौर पर अपलिंक एफिशिएंसी और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सॉल्युशन विकसित किए हैं। इसका एक उदाहरण हमारी एफडीडी मैसिव एमआईएमओ (जिसे अक्सर एफडी-एमआईएमओ भी कहा जाता है) टेक्नॉलजी है। यह कम-फ्रीक्वेंसी वाले एफडीडी बैंड के लिए एक एडवांस्ड बीमफॉर्मिंग सॉल्युशन है, जो स्पेक्ट्रम दक्षता बढ़ाता है और अपलिंक कवरेज और क्षमता दोनों को बेहतर बनाता है।

बैटरी एज अ सर्विस के साथ 6.49 लाख में आई टाटा की पंच ईवी

सोहिनी दास
मुंबई, 20 फरवरी

टाटा मोटर्स अपनी इलेक्ट्रिक वाहन रणनीति को इस स्पष्ट वास्तविकता के लिहाज से तेज कर रही है कि देश में इलेक्ट्रिक वाहन तब तक नहीं बढ़ेंगे, जब तक कि 12 लाख रुपये से कम वाली श्रेणी नहीं खुल जाती। कंपनी पंच डॉट ईवी के साथ अपनी पहली बैटरी-एज-अ-सर्विस (बास) पेशकश लेकर आई है ताकि ग्राहक बाजार में अन्य मॉडलों के साथ स्वामित्व की लागत की तुलना कर सकें। आगे चलकर कंपनी टियागो डॉट ईवी सहित अपने शुरुआती स्तर वाले इलेक्ट्रिक वाहनों में बैटरी सेवा का विकल्प पेश करेगी।

कंपनी का मकसद 12 लाख रुपये से कम वाली श्रेणी में ईवी की रफ्तार में तेजी लाना

6.49 लाख रुपये से शुरु होने वाली वैकल्पिक बैटरी-एज-ए-सर्विस (बास) योजना और साथ ही 2.6 रुपये प्रति किलोमीटर के बैटरी उपयोग शुल्क के साथ 9.69 लाख रुपये (मुंबई में एक्स-शोरूम कीमत) में नई पंच डॉट ईवी उतारकर टाटा मोटर्स स्पष्ट रूप से शुरुआती श्रेणी को लक्ष्य बना रही है जिसकी यात्री वाहन श्रेणी में मांग लगभग दो-तिहाई है, लेकिन ईवी के लिए कम ही है।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्र के अनुसार दामों के इस दायरे को भेदना मुश्किल है। उन्होंने कहा, '12 लाख रुपये से नीचे ईवी का बाजार नाम मात्र का है।' उन्होंने जीएसटी के सीमित फायदे, कम कीमत स्तर और कार के एकल स्वामित्व के लिए असल दुनिया की पर्याप्त रेंज पेश करने की आवश्यकता जैसी संरचनात्मक बाधाओं की ओर भी इशारा किया।

12 लाख रुपये से कम वाली श्रेणी मे हर साल 30 लाख से ज्यादा यात्री वाहन बिकते हैं। लेकिन इसमें ईवी की पैठ केवल 1.5 प्रतिशत के आसपास है, जबकि 12 लाख रुपये से ज्यादा वाली श्रेणी में पैठ दमदार 10 प्रतिशत है। देश के 42 लाख यात्री वाहन बाजार में ईवी की कुल पैठ फिलहाल लगभग 4 से 5 प्रतिशत है, जिसमें टाटा मोटर्स बाजार की अगुआ है।

यही वजह है कि टाटा मोटर्स अब बास को पंच डॉट ईवी से आगे बढ़ाकर टियागो डॉट ईवी समेत शुरुआती स्तर की अन्य ईवी तक बढ़ाने के लिए तैयार है। अलबत्ता इस बारे में चंद्रा का स्पष्ट नजरिया है कि असल में बास क्या है और क्या नहीं। उन्होंने कहा, 'यह असल में कोई सर्विस नहीं है। यह दो-ईएमआई वाली योजना है।' उन्होंने यह भी कहा कि बाजार में इसे अपनाने की दर अब भी लगभग 2 से 3 प्रतिशत स्तर है जो कम है।

स्मॉलकैप फंड पेश करेगा अबैकस एमएफ

अबैकस म्युचुअल फंड (एमएफ) ने शुक्रवार को अपनी दूसरी इक्विटी योजना अबैकस स्मॉलकैप फंड पेश करने की घोषणा की, जिसका एनएफओ 26 फरवरी को खुलेगा। फंड हाउस ने कहा कि स्मॉलकैप शेयरों में संभावित तौर पर प्रवेश के लिए आकर्षक मूल्यांकन और इस सेगमेंट में संरचनात्मक वृद्धि के अवसरों को देखते हुए लॉन्च का समय उपयुक्त है।

डेल्फी ने मामला निपटाया

सेबी ने वित्तीय विवरणों में कथित गलतबयानी और संबंधित पक्षकार लेनदेन का खुलासा न करने के आरोप में डेल्फी वर्ल्ड मनी के खिलाफ चल रही न्यायिक कार्यवाही का निपटारा कर लिया है। ईबिक्स समूह की कंपनी ने निपटारे के तौर पर 37 लाख रुपये का भुगतान करने पर सहमति जताई है। *बीएस*

फसल सुरक्षा कारोबार अलग करेगी यूपीएल

बीएस संवाददाता
मुंबई, 20 फरवरी

यूपीएल लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल ने अपने फसल सुरक्षा कारोबार को अलग करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिससे यह विशुद्ध रूप से दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सूचीबद्ध फसल संरक्षण मंच बनेगा।

एक संयुक्त व्यवस्था के तहत यूपीएल अपने भारत और अंतरराष्ट्रीय फसल सुरक्षा कारोबारों को एक नई सूचीबद्ध इकाई यूपीएल ग्लोबल सस्टेनेबल एग्री सॉल्यूशंस में एकीकृत करेगी। मौजूदा कंपनी यूपीएल एक विविध कृषि और विशिष्ट रसायन कंपनी के रूप में बनी रहेगी।

पुनर्गठन तीन चरणों में किया जाएगा : भारत में फसल सुरक्षा कारोबार को संभालने वाली यूपीएल सस्टेनेबल एग्री सॉल्यूशंस का यूपीएल में विलय; भारत में फसल सुरक्षा व्यवसाय का यूपीएल ग्लोबल के तौर पर अलग करना और समूह के अंतरराष्ट्रीय फसल सुरक्षा संचालन का स्वामित्व रखने वाली यूपीएल क्रॉप प्रोटेक्शन होल्डिंग्स का यूपीएल ग्लोबल में विलय।

पुनर्गठन के बाद शेयरधारकों के पास दो सूचीबद्ध संस्थाओं - यूपीएल और यूपीएल ग्लोबल में हिस्सेदारी होगी, जिससे समूह के कारोबारों के लिए अलग-अलग मूल्य निर्धारण संभव हो सकेगा। कंपनी ने कहा कि नियामक स्वीकृतियों के बाद यह लेनदेन 12-15 महीनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। जेएम फाइनैंशियल और ऐक्सिस कैपिटल ने इस सौदे के लिए वित्तीय सलाहकार के रूप में काम किया।

मिल्टेनआई की भारत में सेल व जीन थेरेपी निर्माण की योजना

अंजलि सिंह
मुंबई, 20 फरवरी

जर्मनी की मिल्टेनआई बायोटेक उत्पादों और सेवाओं की वैश्विक प्रदाता कंपनी है। वह भारत में सेल और जीन थेरेपी (सीजीटी) के स्थानीय विनिर्माण का मूल्यांकन कर रही है। इसमें सीएआर-टी उपचार भी शामिल हैं। यह ऐसा कदम है,जिससे भारत सेल और जीन थेरेपी उत्पादन, प्रशिक्षण और निर्यात के क्षेत्रीय केंद्र के रूप में स्थापित हो सकता है।

हाल ही में एक बातचीत के दौरान संस्थापक और हितधारक स्टीफन मिल्टेनआई ने कहा कि भारत में कंपनी का फौरी ध्यान घरेलू नैदानिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अस्पताल से जुड़े विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने पर है। दीर्घकालिक संभावनाओं के तहत अन्य बाजारों में बेचने के लिए भारत में कलपुर्जे और उपकरण बनाना शामिल है।

मिल्टेनआई ने कहा, सेल्युलर थेरपी पारंपरिक फार्मास्यूटिकल्स से बहुत अलग है और कोशिकाएं आसानी से एक जगह से दूसरी जगह नहीं जा सकतीं। इसलिए कंपनी अस्पतालों के सहयोग से स्थानीय, पॉइंट-ऑफ-केयर विनिर्माण मॉडल को प्राथमिकता दे रही है। साथ ही भविष्य में केंद्रीय सुविधाएं स्थापित करने का विकल्प भी खुला रख रही है।

भारत में कंपनी का फौरी ध्यान घरेलू नैदानिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अस्पताल से जुड़े विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने पर है

कंपनी ने कहा कि वह वर्तमान में भारत में अस्पतालों और साझेदारों के साथ सेल्युलर उत्पादों के स्थानीय उत्पादन के लिए बातचीत कर रही है। मिल्टेनआई बायोटेक अपने सिस्टम का उपयोग करके अपने उत्पादों का निर्माण खुद ही करने की योजना बना रही है। वह साझेदार अस्पतालों और अस्पताल श्रृंखलाओं के साथ मिलकर पहुंच बढ़ाने का भी काम करेगी।

नैदानिक मांग और वैज्ञानिक प्रतिभा की उपलब्धता के कारण पिछले एक वर्ष में भारत कंपनी के लिए रणनीतिक केंद्र बन गया है। मिल्टेनआई बायोटेक ने एक वर्ष के भीतर 30 से अधिक लोगों की एक स्थानीय टीम का गठन किया है। साथ ही सेल और जीन थेरेपी विनिर्माण में कौशल की कमी को दूर करने के लिए प्रशिक्षण सुविधाएं भी स्थापित की हैं।

नैदानिक क्षेत्र केबारे में मिल्टेनआई बायोटेक ने कहा कि वह भारत में अपनी चिकित्सा पद्धतियों के लिए नियामक की मंजूरी हासिल करने के लिए प्रयासरत है। देश में कुछ क्लिनिकल ट्रायल स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें पहले के चरण-1 अध्ययन के बाद सीडी19 के लिए नियोजित चरण-2 परीक्षण भी शामिल है। सीडी19 एक ऐसी सीएआर-टी सेल थेरेपी है जिस पर रिलैप्स/रिफ्रैक्टरी बी-सेल ल्यूकेमिया, लिम्फोमा और ल्यूपस जैसी ऑटोइम्यून बीमारियों के लिए शोध चल रहा है।

कंपनी ने कहा कि भविष्य के संकेत परीक्षणों में भारत को भी शामिल किए जाने की उम्मीद है। ऑन्कोलॉजी के अलावा, मिल्टेनआई बायोटेक ने भारत में ऑटोइम्यून बीमारियों, दुर्लभ बीमारियों और थैलेसीमिया जैसे रोगों में भी रुचि दिखाई है, जहां चिकित्सा आवश्यकताओं की पहुंच में भीषण किल्लत है। कंपनी ने कहा कि उसका लक्ष्य वैश्विक बाजारों की तुलना में कम समय में भारत में नए सीजीटी संकेत पेश करना है।

क्षेत्रीय स्तर पर, मिल्टेनआई बायोटेक वियतनाम, इंडोनेशिया, थाईलैंड, ताइवान और जापान में क्लिनिकल ट्रायल कर रही है या करने की योजना बना रही है। कंपनी ने कहा कि समय के साथ नियामकों से स्वीकृतियों और गुणवत्ता जरूरतों के लिहाज से भारत सीजीटी विनिर्माण, प्रशिक्षण और उभरते एशियाई बाजारों में संभावित निर्यात में व्यापक भूमिका निभा सकता है।

हालांकि कंपनी ने भारत में निवेश के बारे में विशिष्ट आंकड़े जारी नहीं किए हैं। लेकिन उसने कहा है कि टीमें बनाने, प्रशिक्षण का बुनियादी ढांचा तैयार करने और परीक्षण क्षमताएं विकसित करने के लिए प्रारंभिक निवेश पहले ही किया जा चुका है। आगे के निवेश नैदानिक प्रगति, नियामकीय स्वीकृतियों और स्थानीय परिचालन की आत्मनिर्भर बनने की क्षमता के आधार पर किए जाएंगे।

वैश्विक जोखिम में सुस्ती से फिसला रुपया और बॉन्ड

अंजलि कुमारी
मुंबई, 20 फरवरी

वैश्विक जोखिम को लेकर कमजोर रुख और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में बढ़त से डॉलर के मज़बूत होने के कारण शुक्रवार को रुपये में गिरावट आई। डीलरों ने बताया कि लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक के संभावित हस्तक्षेप से नुकसान को सीमित करने में मदद मिली और मुद्रा को 91 रुपये प्रति डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करने से रोका जा सका। डॉलर के मुकाबले देसी मुद्रा 0.34 फीसदी घटकर 90.99 पर टिकी जबकि एक दिन पहले यह 90.68 पर बंद हुई थी।

विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के सर्वोच्च स्तर 726 अरब डॉलर पर पहुंचा

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 फरवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान 725.7 अरब डॉलर के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों और स्वर्ण भंडार दोनों में क्रमशः 3.5 अरब डॉलर और 4.9 अरब डॉलर की वृद्धि के कारण इसमें 8.6 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। इससे पहले मुद्रा भंडार का उच्चतम स्तर 30 जनवरी, 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान 724 अरब डॉलर था।

सप्ताहांत में भू-राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर ट्रेडरों की सतर्कता के बीच सरकारी बॉन्ड यील्ड में भी इजाफा हुआ। बेंचमार्क 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड पर यील्ड पिछले बंद भाव 6.68 फीसदी के मुकाबले मामूली रूप से बढ़कर 6.72 फीसदी पर पहुंच गया।

प्राइमरी डीलरशिप के एक डीलर ने कहा, अमेरिका-ईरान तनाव के कारण बहुत सतर्कता बरती जा रही है और लोग सप्ताहांत के दौरान किसी भी घटनाक्रम की आशंका में कोई पोजीशन नहीं लेना चाहते थे। डीलरों ने बताया कि छुट्टियों के दौरान कम कारोबार में मुद्रा के 91 रुपये प्रति डॉलर के निशान से नीचे फिसल गई। इसकी वजह ऑफशोर के नुकसान थे। इसलिए भी रुपया कमजोरी के साथ खुला।

सरकारी बैंक के एक डीलर ने कहा, एनडीएफ बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया अपने पिछले बंद भाव 90.67 से कमजोर कारोबार कर रहा था। उन्होंने कहा, एनडीएफ बाजार में 91 के महत्त्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर को इसने पार किया जिसकी वजह स्थानीय अवकाश के कारण कम तरलता थी।

ट्रेडरों ने कहा कि बाजार में सीमित भागीदारी ने इस कदम को और बढ़ा दिया। साथ ही डॉलर की लगातार मांग और विदेशी बाजारों में इसकी पोजीशन ने स्थानीय मुद्रा पर और दबाव बढ़ाया।

फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंची बनाए रखने की उम्मीदों ने उभरते बाजारों की मुद्राओं के मुकाबले डॉलर को मजबूती दी है।

बढ़ती खुदरा भागीदारी के बीच घोटालों पर सतर्क है सेबी

बीएस संवाददाता
मुंबई, 20 फरवरी

भारत में खुदरा निवेशकों की संख्या बढ़कर करीब 14 करोड़ हो गई है। इसके साथ ही बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) बुनियादी जागरूकता और जानकारी के साथ निवेश के बीच के अंतर को पाटने की कोशिशों को तेज कर रहा है। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शुक्रवार को ये बातें कही।

आउटलुक मनी के 40आफ्टर40 कार्यक्रम में पांडेय ने कहा, हालांकि प्रौद्योगिकी ने निवेश को अधिक सुलभ और समावेशी बना दिया है। लेकिन कई नए निवेशक जोखिमों की केवल मामूली समझ के साथ बाजारों में आ रहे हैं, जिससे वे गलत बिक्री, घोटालों और उन जोखिमों के प्रति संवेदनशील हैं, जिन्हें वे पूरी तरह नहीं समझते हैं।

पांडेय ने सेबी के हालिया निवेशक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा, प्रतिभूति बाजारों के बारे में सामान्य जागरूकता ज्ञान की सीढ़ी का मात्र पहला पायदान है। जागरूकता और जानकारी के साथ भागीदारी के बीच एक अंतर है। उन्होंने कहा, आज के समय में विश्वास और भी अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि भागीदारी, विशेष रूप से खुदरा की, तेजी से बढ़ रही है।

पांडेय ने कहा कि सेबी ने घोटालों और साइबर धोखाधड़ी की बढ़ती संख्या के खिलाफ अपनी प्रतिक्रिया तेज कर दी है। इन घोटालों में ऐसी संस्थाएं शामिल हैं जो झूठा दावा करती हैं कि वे सेबी में पंजीकृत हैं और वे गारंटी वाले रिटर्न की पेशकश करती हैं। ये अक्सर क्यूआर कोड या क्लोन किए गए मोबाइल ऐप्लिकेशनों के माध्यम से भुगतान करती हैं।

इस समस्या से निपटने के लिए बाजार नियामक ने 'सेबी चेक' सुविधा शुरू की है। इसके माध्यम से निवेशक पंजीकृत मध्यस्थों के भुगतान विवरण को कुछ ही सेकंड में सत्यापित कर सकते हैं। नियामक ने निवेशकों से धनराशि एकत्र करने वाले मध्यस्थों के लिए नया यूपीआई हैंडल भी अनिवार्य कर दिया है, जिसमें सत्यापित हैंडल पर एक विशिष्ट "@वैलिड" पहचानकर्ता अंकित होगा।

सेबी ने चार आईपीओ प्रस्तावों को दी मंजूरी

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इस सप्ताह चार कंपनियों के विवरणिका मसौदे (डीआरएचपी) पर अंतिम टिप्पणियां जारी कर उन्हें आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की इजाजत दे दी है। इन कंपनियों में मेडिकल टेक्नॉलजी प्लेटफॉर्म इंटीग्रिस मेडटेक और लैब में हीरे बनाने वाली कंपनी अंजलि लैबटेक शामिल हैं। सेबी की अंतिम टिप्पणियां 12 महीने के लिए वैध हैं, जिसके भीतर कंपनियां अपने आईपीओ ला सकती हैं।

ओम्नीटेक का आईपीओ 27 को खुलेगा

ओम्नीटेक इंजीनियरिंग 27 फरवरी को अपना 583 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) ला रही है। शेयर की कीमत 216-227 रुपये तय की गई है, जिससे इंजीनियरिंग कलपुर्जा निर्माता कंपनी का मूल्यांकन लगभग 2,800 करोड़ रुपये बैठता है। यह इस महीने बाजार में आने वाला मुख्य प्लेटफॉर्म का सातवां आईपीओ होगा। इसकी तुलना में जनवरी में मुख्य प्लेटफॉर्म पर तीन आईपीओ लॉन्च किए गए थे, जो प्राथमिक बाजार की हालिया गतिविधियों में तेजी को दर्शाते हैं।

गॉडियम आईवीएफ आईपीओ को 88 फीसदी बोली

गॉडियम आईवीएफ ऐंड वुमन हेल्थ के आईपीओ को शुक्रवार को बोली के पहले दिन 88 फीसदी आवेदन मिले। इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) और महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं प्रदान करने वाली यह कंपनी शेयरों के नए निर्गम के माध्यम से 90 करोड़ रुपये जुटा रही है। आईपीओ का कीमत दायरा 75-79 रुपये प्रति शेयर है, जिससे कीमत दायरे के ऊपरी छोर पर कंपनी का मूल्यांकन लगभग 575 करोड़ रुपये बैठता है। *बीएस*

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSE ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE FOR SECURITIES. THIS PUBLIC ANNOUNCEMENT IS NOT INTENTED FOR PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

YAAP

YAAP DIGITAL LIMITED

(Please scan this QR code to view the RHP)

Corporate Identification Number: U74900MH2016PLC274104

Our company was incorporated as a Private limited Company under the name *"Yaap Digital Private Limited"* under the provisions of the Companies Act, 2013 vide certificate of incorporation dated March 09, 2016 issued by the Registrar of Companies, Mumbai at Maharashtra. Further, our company was converted from a private limited company to a public limited company, pursuant to a special resolution passed in the extraordinary general meeting of our shareholders held on January 15, 2025 and the name of our Company was changed to *"Yaap Digital Limited"* with a fresh certificate of incorporation dated January 28, 2025, issued to our Company by the Assistant Registrar of Companies/Deputy Registrar of Companies/ Registrar of Companies, Central Processing Centre. The Corporate Identification Number of our Company is U74900MH2016PLC274104. For further details on incorporation and registered office of our Company, see *"History and Certain Corporate Matters"* on page 233 of the Red Herring Prospectus dated February 18, 2026 filed with the ROC, Mumbai, Maharashtra (**"RHP"**).

Registered Office: 802, 8th Floor, Signature by Lotus, Veera Desai Road, Andheri West, Andheri, Mumbai – 400 053, Maharashtra, India;
Corporate Office: 15th Floor, Vatika Towers, Block B, Golf Course Road, Sector – 54, Gurugram - 122 002, Haryana, India;
Telephone: 022 – 5050 8091 | **Email:** investor@yaap.in | **Website:** www.yaap.in
Contact Person: Shivani Shivshankar Tiwari, Company Secretary and Compliance Officer

PROMOTERS OF OUR COMPANY: ATUL JEEVANDHARKUMAR HEGDE, SUDHIR MENON AND SUBODH MENON

THE ISSUE

INITIAL PUBLIC OFFER OF UPTO 55,25,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH (THE "EQUITY SHARES") FOR CASH AT A PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE (INCLUDING A PREMIUM OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE) ("ISSUE PRICE") AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS ("THE ISSUE"). THE ISSUE WILL CONSTITUTE [●] % OF THE POST-ISSUE PAID UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

THE ISSUE INCLUDES A RESERVATION OF UP TO 2,80,000 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS (CONSTITUTING UP TO [●] % OF THE POST ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY) FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER ("MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION IS HEREINAFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSTITUTE [●] % AND [●] % RESPECTIVELY, OF THE POST- ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

CORRIGENDUM: NOTICE TO INVESTORS

This is with reference to the Statutory Advertisement and Price Band Advertisement ("Advertisement") published on Friday, February 20, 2026 in all editions of Business Standard, a widely circulated English national daily newspaper, all editions of Business Standard Hindi, a widely circulated Hindi national daily newspaper, and all editions of Pratahakal, a widely circulated Marathi daily newspaper (Marathi being the regional language of Maharashtra, where our Registered Office is located).

The attention of investors is drawn to the following:

The Issue Opening date in the Statutory Advertisement and Price Band Advertisement shall be read as Wednesday, February 25, 2026.

The information above supersedes the information (as published) in the statutory advertisement and price band advertisement. The advertisement accordingly stands amended to the extent stated hereinabove and the above changes are to be read in conjunction with the advertisement published on Friday, February 20, 2026. Unless otherwise specified, all capitalised terms used herein shall have the same meaning ascribed to such terms in the RHP.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER	REGISTRAR TO THE ISSUE	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
SOCRADAMUS Wisdom For Finance **Socradamus Capital Private Limited** **Address:** Gala No. 303, Cama Industrial Estate, Sun Mill Compound, Delisle Road, Lower Parel (West), Mumbai – 400 013, Maharashtra, India **Telephone:** 022 – 4961 4235 **Email:** mb@socradamus.in **Website:** https://socradamus.in/ **Investor Grievance E-mail:** investors@socradamus.in **Contact Person:** Kritika Rupda **SEBI Registration Number:** INM000013138	MUFG **MUFG Intime India Private Limited** ***(formerly known as Link Intime India Private Limited)*** **Address:** C-101, 247 Park, 1st Floor, L B S Marg, Vikhroli (West), Mumbai – 400 083, Maharashtra, India **Telephone:** +91 81081 14949 **Email:** yaapdigital.smeipo@in.mpms.mufg.com **Investor Grievance E-mail:** yaapdigital.smeipo@in.mpms.mufg.com **Website:** www.in.mpms.mufg.com **Contact Person:** Shanti Gopalkrishnan **SEBI Registration Number:** INR000004058	YAAP **Yaap Digital Limited** **Shivani Shivshankar Tiwari** **Address:** 802, 8th Floor, Signature by Lotus, Veera Desai Road, Andheri (West), Mumbai – 400 053, Maharashtra, India. | **Telephone:** 022 – 5050 8091 **Email:** contact@yaap.in | **Website:** www.yaap.in **Investor Grievance E-mail:** investor@yaap.in Investors may contact our Company Secretary and Compliance Officer and / or the Registrar to the Issue and / or the Book Running Lead Manager, in case of any pre-Issue or post-Issue related problems, such as non-receipt of letters of allotment, credit of allotted Equity Shares in the respective beneficiary account, etc.

For Yaap Digital Limited
On behalf of the Board of Directors
Sd/-
Atul Jeevandharkumar Hegde
Chairman and Managing Director

Date: February 20, 2026
Place: Mumbai, Maharashtra

Yaap Digital Limited is proposing, subject to market conditions and other considerations, public issue of its Equity Shares and has filed the Red Herring Prospectus with the Registrar of Companies, Mumbai on February 18, 2026. The Red Herring Prospectus is available on the website of the Book Running Lead Manager https://socradamus.in/, the website of the NSE i.e.,www.nseindia.com, and website of our Company at www.yaap.in.

Investor should note that investment in equity shares involves a high degree of risk. For details, investors should refer to and rely on the Red Herring Prospectus, including the section titled *"Risk Factors"* beginning on page 38 of the Red Herring Prospectus, which has been filed with ROC. The Equity Shares have not been and will not be registered under the US Securities Act ("the Securities Act") or any state securities laws in United States and may not be issued or sold within the United States or to, or for the account or benefit of, "U.S, persons" (as defined in Regulations under the securities Act), except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act of 1933.

AdBaaz